राज्य मानचित्र

बिहार BIHĀR

Scale 1:1,000,000

भारतीय सर्वेक्षण विभाग SURVEY OF INDIA

प्रथम संस्करण, 2025. मूल्य : ₹ 135 /–

बिहार : एक अवलोकन

बौद्धों के निवास को संस्कृत में विहार कहते हैं, और इसी विहार शब्द से बिहार बना है। यहीं पर बौद्ध धर्म का जन्म हुआ और फिर पुरी दुनिया में इसका विस्तार हुआ। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय बिहार में व्यतीत किये एवं उन्हें ज्ञान की प्राप्ति भी बिहार के बोध गया में ही हुई। इस प्राचीन भूमि जैन तीर्थकारों द्वारा भी पवित्र किया गया है। इनमें से छः (6) जैन तीर्थकारों का जन्म और बाईस (22) तीर्थकारों का निर्वाण भी यहीं पर हुआ। भगवान महावीर जो कि जैन धर्म के संस्थापक थे, उनका भी जन्म यहीं पर हुआ उन्होने यहाँ पर अपने जीवन के 42 महत्ववूर्ण साल गुजारे थे। श्री गुरू गोविन्द सिंह, जो सिखों के 10 वें और अंतिम गुरू थे, उनका जन्म भी पटना में ही हुआ था। यह पवित्र भूमि महत्वपूर्ण हिन्दू, जैन, मुस्लिम और सिख धर्म गुरूओं से विभूषित रही है। प्राचीन काल से ही यह राज्य शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बिन्दु रहा है। बिहार में ही दुनिया का पहला विश्वविद्यालय - नालंदा विश्वविद्यालय, नालंदा में अवस्थित था, जिसमें पठन-पाठन का स्तर विश्व स्तरीय था। विश्व के मुख्यतः तत्कालीन विद्वानों का जुड़ाव भी इस विश्वविद्यालय से था।

इस राज्य का इतिहास बहुत ही प्राचीन, गौरवपूर्ण एवं गरिमामय रहा है। भारत के कुछ महान शासकों के साम्राज्यों, जो ईसा पूर्व से कायम थे, का उदय और अवसान यहीं पर हुआ। अनेक महान शासकों, जिन्होंने यहाँ से शासन किया, में से कुछ के नाम जैसे - बिम्बिसार, अजातशत्रु, उदयन (पाटलिपुत्र का संस्थापक), चन्द्रगुप्त और अशोक हैं। इनके अलावा कुछ महान साम्राज्यों, जैसे - नंद वंश, महान मौर्य वंश, कण्व वंश एवं गुप्त राजवंश का शासन यहीं से पूरे देश में चलाया गया।

बिहार के उत्तर में नेपाल, पूर्व में पश्चिम बंगाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश और दक्षिण में झारखण्ड अवस्थित है। गंगा नदी इस राज्य के बीचों-बीच पश्चिम से पूरब की ओर बहती है, जो इसकी प्राकृतिक सुन्दरता को बढ़ाते हुए इसकी भूमि को उपजाऊ बनाती है। आज भी बिहार राज्य प्राचीन और वर्तमान सभ्यता का प्रतिबिम्ब है। बिहार के कुछ महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थलों में नालंदा, राजगीर, बोधगया, पटना, वैशाली, सीतामढ़ी, बक्सर, विक्रमशिला और पावापुरी महत्वपूर्ण हैं।

भोजपुरी, मैथिली एवं अंगिका बिहार की तीन मधुर एवं सुन्दर भाषाएं हैं । बिहार कल-कारखानों एवं खनिज-सम्पदा से परिपूर्ण है। यहाँ के लोग साधारण वेशभूषा, उच्च विचार रखने वाले और मेहनती होते हैं। छठ एवं होली यहाँ के प्रमुख त्योहार है। यहाँ के लोगों का मुख्य पेशा खेती है। 2011 की जनगणना के अनुसार यहाँ की आबादी मे साक्षरता का प्रतिशत 61.80 है, जिसमे पुरूष 71.20 प्रतिशत एवं महिला 51.50 प्रतिशत हैं। बिहार का कुल क्षेत्रफल 94,163 वर्ग कि0मी0 एवं आबादी 104,099,452 है।

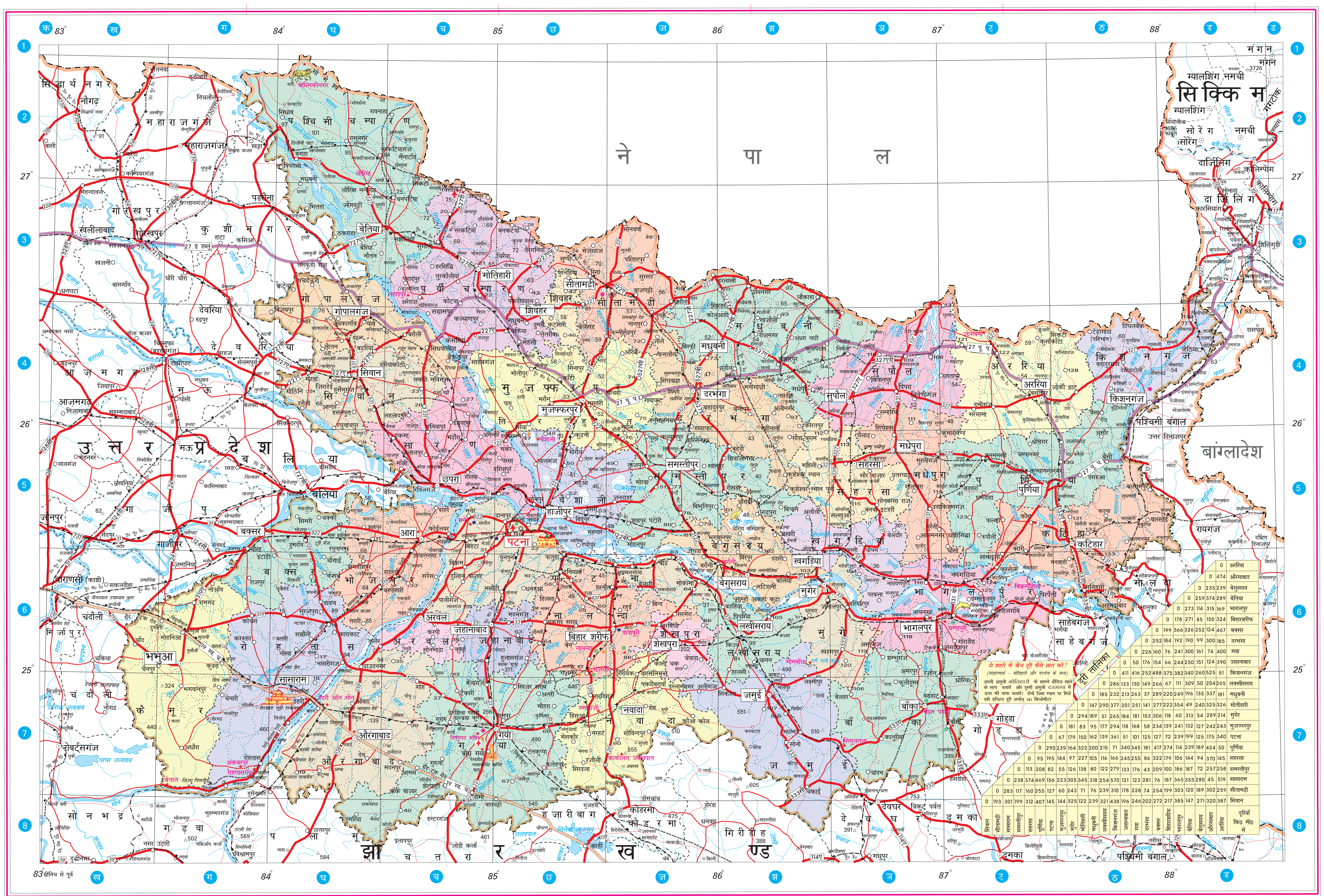

कृपया इस मानचित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

विंग प्रभारी
झारखण्ड एंव बिहार भू – स्थानिक आँकडा निदेशालय (बिहार विंग)
सातवीं मंजिल (ब्लाक 'ए', 'एफ', एवं 'जी')
कर्पूरी ठाकुर सदन, केन्द्रीय कार्यालय परिसर
आशियाना – दीघा रोड, पटना – 800025 (बिहार)
वेबसाइट - www.surveyofindia.gov.in

राष्टीय मानचित्रण संस्था, भारतीय सर्वेक्षण विभाग की लिखित अनुमति के बिना किसी भी माध्यम से पूरे मानचित्र या किसी भाग का पुनरूत्पादन वर्जित है।

रजि. सं. 279 भा. स. वि. मु. डी. '25 (झा. एवं बि. भू. स्था. निदेशालय (बिहार विंग)–1:1,000,000)– 60.
प्रथम हिन्दी संस्करण, 2025.

निर्देश

जिले का नाम	भा ग ल पु र
इलाका का नाम	ति र हु त
पर्वत या पर्वतश्रेणी का नाम	सो मे श्व र रें ज
पर्वत शिखर का नाम	प्रेतशिला पहाड़ी
राज्य के मुख्यालय का नाम	पटना
जिले के मुख्यालय का नाम	औरंगाबाद
उप-जिला (अंचल) के मुख्यालय का नाम	सोनपुर
महत्वपूर्ण स्थल का नाम	राजगीर
अन्य नगर का नाम	सिवान
पर्यटक स्थल	महाबोधि मंदिर
ऊंचाई, त्रिकोणमितीय स्टेशन, कारवाँ ठहरने का स्थान	. 681 △475 ▭
मुख्यालयः राज्य; जिला; उप-जिला (अंचल); अन्य नगर	◎ ⊙ ○ ○
किला, विश्रामगृह	
हवाई अड्डा: अन्तर्राष्ट्रीय; अन्य	
हिन्दू; बौद्ध; मुस्लिम; पर्यटक स्थल; सिक्ख; जैन;	
रेलमार्ग. बड़ी दोहरी लाईन स्टेशन सहित	हथुआ
,, ,, इकहरी लाईन	
सड़क : स्वर्णिम चतुर्भुज, पूर्व-पश्चिम गलियारा	19 स्व.च. 27 पू.प.
सड़क प्रथम श्रेणी (पक्की), सुरंग सहित	22
,, द्वितीय श्रेणी (पक्की), पुल सहित	
,, तृतीय श्रेणी (रास्ता), दर्रा सहित	
प्रवाह: सजल, सुखी, अपरिभाषित	
नहर, नाव्य	
झील स्वच्छ जल	
पंक, कच्छ (दलदल)	
सीमा, अंतर्राष्ट्रीय	
,, राज्य, सीमांकित	
,, जिला	
,, अंचल	
खान	

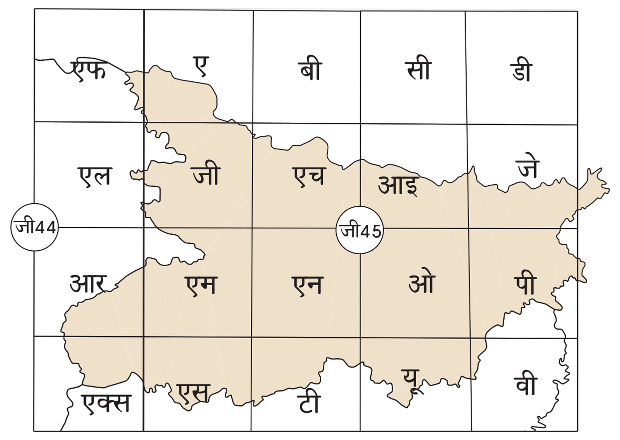

- ऊंचाइयाँ मीटर में हैं ।
- राज्य और जिलों का मुख्यालय मानचिन्न के अन्दर वॉक्स किया गया है ।
- कैमूर जिले के प्रशासनिक मुख्यालय भभुआ में हैं और पटना सदर उपजिला पटना में है ।

प्रमुख स्थान

च 5 आरा	ग 5 बक्सर	ठ 5 कटिहार	छ 5 पटना	ट 6 विक्रमशिला
ट 4 अररिया	ट 6 चम्बापुरी	झ 5 खगड़िया	छ 5 फुलवारीशरीफ	च 7 विष्णुपद मंदिर
च 6 अरवल	च 5 छपरा	ठ 4 किशनगंज	च 7 प्रेतशिला-पहाड़ी	घ 7 डेहरी ऑन सोन
घ 7 औरंगाबाद	ज 4 दरभंगा	झ 6 लखीसराय	छ 6 राजगीर	छ 4 शिवहर
घ 2 बाल्मिकीनगर	घ 7 देव	घ 2 लौरिया	च 3 रक्सौल	
ञ 7 बांका	छ 6 दुंगेश्वरी	ञ 5 मधेपुरा	छ 3 सीतामढ़ी	
छ 6 बराबर गुफा	ज 8 गनभाजी	झ 4 मधुबनी	घ 7 सासाराम	
झ 6 बरौनी	छ 7 गया	च 5 मनेर	ञ 5 सहरसा	
छ 6 बेगुसराय	घ 4 गोपालगंज	च 3 मोतिहारी	ज 5 समस्तीपुर	
ग 7 बेताला	छ 5 हाजीपुर	झ 8 मुंगेर	ज 6 शेखपुरा	
घ 3 बेतिया	च 6 जहानाबाद	छ 4 मुजफ्फरपुर	छ 3 शिवहर	
ञ 6 भागलपुर	झ 7 जमुई	छ 6 नालंदा	घ 4 सिवान	
ग 6 भभुआ	झ 3 जयनगर	ज 7 नवादा	छ 5 सोनपुर	
झ 6 भीमबॉध	ट 4 जोगबनी	ट 5 पूर्णियाँ	ञ 4 सुपौल	
ज 7 बिहार शरीफ	ज 7 ककोलत-जलप्रपात	ज 6 पावापुरी	छ 5 वैशाली	
च 7 बोधगया		च 3 पहाड़पुर		

पटना

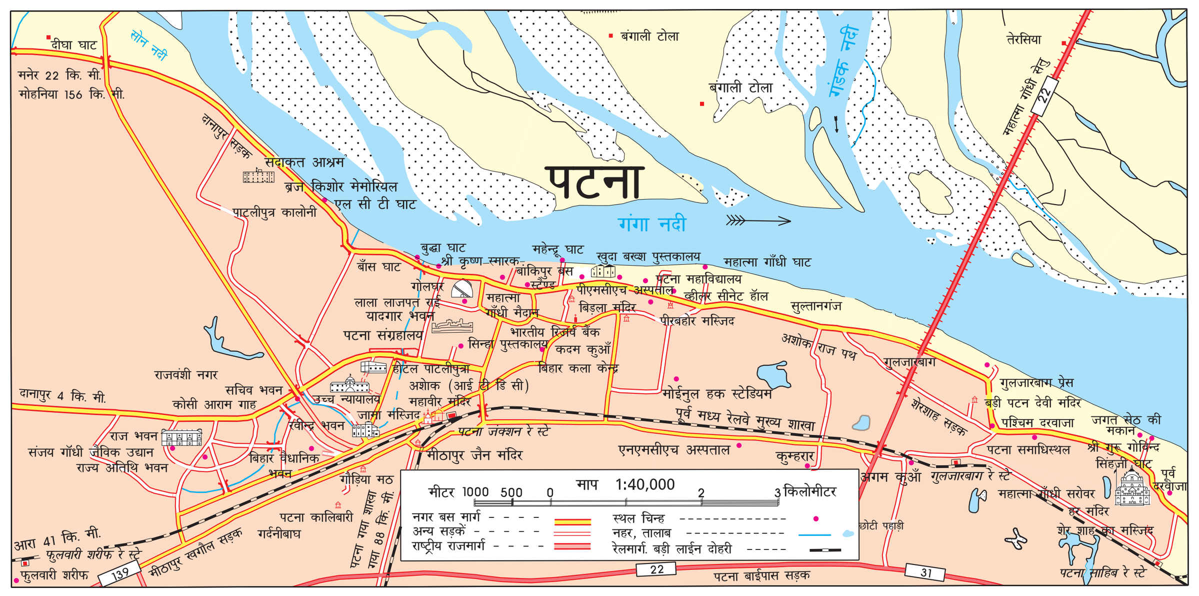

बिहार

पैमाना 1:1,000,000

1 सेन्टीमीटर = 10 किलोमीटर

किलोमीटर 10 5 0 10 20 30 40 50 60 70 80 90 100 किलोमीटर

प्रक्षेप : लैम्बर्ट अनुरूपी शांकव
आधार : डब्ल्यू जी एस 84

भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाणा, भा.प्र.से., *के निदेशन में प्रकाशित,*
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला एस्टेट, डाक बाक्स सं. 37, देहरादून-248001 (उत्तराखण्ड),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार,
2025.

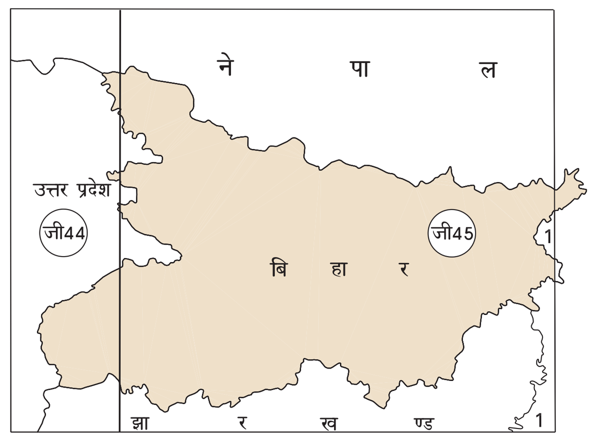

1. पश्चिमी बंगाल

विशेष संदर्भ :				
उ0 पू0 रे0	उत्तर पूर्व रेलवे	च	सितामढ़ी जिला का उपजिला चरौत	ज 4
पू0 रे0	पूर्व रेलवे			
पू0 सी0 रे0	पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे	कि	किशनगंज जिला का उपजिला	ठ 4
उ0 म0 रे0	उत्तर मध्य रेलवे		किशनगंज	ठ 5

प्रतीक तालिका

क्रमांक मानचित्र पर उन क्षेत्रों को दर्शाते हैं जो नामों से दर्शाने के लिए बहुत छोटे हैं ।

क्र. सं.	वर्ग सं.	अंचल	क्र. सं.	वर्ग सं.	अंचल	क्र. सं.	वर्ग सं.	अंचल
1	ग 7	शिबसागर	12	घ 6	जगदीशपुर	23	च 4	बसन्तपुर
2	ग 7	रामपुर	13	घ 6	नवानगर	24	घ 4	महाराजगंज
3	ग 7	नौहट्टा	14	घ 6	पिरो	25	घ 4	पचरुखी
4	घ 3	कुचायकोट	15	घ 6	दिनारा	26	च 4	भगवानपुर हट
5	घ 4	फुलवरिआ	16	घ 6	बिक्रमगंज	27	च 4	पानापुर
6	घ 4	माँझा	17	घ 6	राजपुर	28	च 5	नगरा
7	घ 4	हथुआ	18	घ 7	अकोढ़ी गोला	29	छ 5	दिघवारा
8	घ 4	दरौंधा	19	घ 7	नबिनगर	30	छ 5	फुलवारी शरीफ
9	घ 5	सिसवॉ	20	च 3	रामगढ़वा	31	च 6	नौबतपुर
10	घ 5	ब्रह्मपुर	21	च 3	बनजारिआ	32	छ 5	सम्पत चक
11	घ 5	बिहिया	22	च 3	पिपरा कोठी	33	च 6	अगियाँव

भारतीय सर्वेक्षण विभाग मुद्रणालय द्वारा मुद्रित।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2025

क्र. सं.	वर्ग सं.	अंचल	क्र. सं.	वर्ग सं.	अंचल	क्र. सं.	वर्ग सं.	अंचल
34	च 6	रतनी फरीदपुर	69	ज 3	माध्वापुर	104	ञ 6	गोगरी
35	च 6	हसनपुरा	70	झ 3	बासोपट्टी	105	झ 6	सूरजगढ़ा
36	च 6	मखदूमपुर	71	ज 4	बेनीपट्टी	106	ञ 7	संग्रामपुर
37	च 7	कोच	72	ज 4	बोखरा	107	झ 7	खैरा
38	च 7	परैया	73	ज 4	केओटी रनवे	108	ञ 4	प्रतापगंज
39	च 7	रफिगंज	74	ज 4	कटरा	109	ञ 4	राघोपुर
40	च 7	इमामगंज	75	ज 4	बन्दरा	110	ञ 4	सरायगढ़ भप्तियाही
41	छ 3	ढाका	76	ज 5	सकरा	111	ञ 4	शंकरपुर
42	छ 3	पिपराही	77	ज 5	उजियारपुर	112	झ 5	नौहाता
43	छ 3	पताही	78	ज 5	दलसिंह सराय	113	ञ 5	सत्तार कटैया
44	छ 3	फेनहारा	79	ज 5	मनसुर चक	114	ञ 5	बिहारीगंज
45	छ 3	परसौनी	80	ज 5	विद्यापति नगर	115	ञ 5	सिमरी बख्तियारपुर
46	छ 4	तरिआनी	81	ज 5	बछवाड़ा	116	ञ 6	बिहपुर
47	छ 5	वैशाली	82	ज 5	मोहीउद्दीननगर	117	ञ 6	सुल्तानगंज
48	छ 5	पतेढ़ी बेलसर	83	ज 6	पन्डरख	118	ञ 6	शाहकुण्ड
49	ज 5	पातेपुर	84	ज 6	घोसवारी	119	ञ 6	तारापुर
50	छ 5	भगवानपुर	85	ज 6	अस्थावाँ	120	ञ 6	तेतिया बम्बर
51	ज 5	सरायरंजन	86	ज 6	कुसुम्माघाट	121	ट 4	नरपतगंज
52	छ 5	राजापाकर	87	ज 6	शेखोपुर सराय	122	ट 4	फॉर्बेसगंज
53	छ 5	सहदेई बुजुर्ग	88	ज 6	कतरी सराय	123	ट 5	भवानीपुर
54	छ 6	खुसरोपुर	89	ज 6	अरियारी	124	ट 6	रंगरा चौक
55	ज 5	बख्तियारपुर	90	ज 7	अकबरपुर	125	ट 6	गोपालपुर
56	छ 6	करी परसराय	91	छ 6	रामगढ़ चौक	126	ट 6	सबौर
57	छ 6	नगर नौसा	92	झ 3	लदनिया	127	ट 6	सोनाहुला
58	छ 6	चंडी	93	झ 4	बबुबोढ़ी	128	ठ 4	पलासी
59	छ 6	थरथरी	94	झ 4	घोघरडीहा	129	ठ 4	कोचाधामिन
60	छ 6	नूर सराइ	95	झ 4	लखनौर	130	ठ 5	कसबा
61	छ 6	परवलपुर	96	झ 4	मोरौना	131	ठ 5	हसनगंज
62	छ 6	काको	97	झ 4	घनश्यामपुर	132	ठ 5	डंडखोरा
63	छ 6	घोसी	98	झ 5	बिरौल	133	ठ 6	प्राणपुर
64	छ 6	इस्लामपुर	99	झ 5	सिंघिया	134	ड 4	ठाकुरगंज
65	छ 7	नीम चक बथानी	100	झ 5	हसनपपुर	135	ट 6	खरिक
66	छ 7	वजीरगंज	101	झ 5	खुदावन्दपुर	136	छ 3	घोड़ासहन
67	छ 7	मोहनपुर	102	झ 5	नव कोठी	137	ट 3	बसंतपुर
68	ज 3	बथनाहा	103	झ 6	साहेबपुर कमाल			